Hkkjrh; okfudh
vuqla/kku ,oa
f'k{kk ifj"kn

okfudh lekpkj

o"kZ 11 vad 5
ebZ 2019

vuqØef.kdk

egRoiw.kZ vuqla/kku fu"d"kZ पृष्ठ – 01
fons'k nkSjs पृष्ठ – 02
ijke'kZ पृष्ठ – 02
isVsUV पृष्ठ – 02
dk;Z'kkyk@laxks"Bh@cSBd पृष्ठ – 03
izf'k{k.k dk;ZØe पृष्ठ – 05
x.kekU; dk nkSjk पृष्ठ – 05
egkfuns'kd] egksn; dk nkSjk पृष्ठ – 06
tkx:drk ,oa izn'kZu dk;ZØe पृष्ठ – 07
iqdfr dk;ZØe पृष्ठ – 07
fofo/k पृष्ठ – 07
ekuo lalk/ku lekpkj पृष्ठ – 07

egRoiw.kZ vuqla/kku fu"d"kZ

ou vuqla/kku laLFkku] nsgjknwu

- अरूणाचल प्रदेश से एकत्रित *वैलेरिआना जटामंसी* की दो आबादियों (VAJ-09-MAW तथा VAJ-04-MKW) को उनके प्रकंदों के वाष्पशील घटकों हेतु गैस क्रोमेटोग्राफी – मास स्पेक्ट्रोमेट्री (GC-MS) की सहायता से कैमिकल प्रोफाइलिंग की गयी। यह अधिगम नवीन है तथा इसका उपयोग *वैलेरिआना जटामंसी* की आबादियों में रसायन परिवर्तनशीलता की जाँच के लिए तथा संरक्षण एवं कृषि हेतु इसकी रासायनिक रूप से उत्कृष्ट आबादियों की पहचान के लिए उपयोग हो रहा है।
- पथप्रदर्शी संयत्र इकाई में प्रत्यक्ष आसुतिकरण विधियों तथा कोहोबेशन द्वारा *सिमबोपोगेन सिट्रेएटस* से मूलभूत तेल का निष्कर्षण किया गया। कोहोबेशन सिद्धांत द्वारा प्राप्त तेल उपज उच्च थी। खण्ड विभाजन दृष्टिकोण ने भी विभिन्न घटक अनुपातों के मोनोटेरपेन्स तथा सेसक्विटेरपेन्स के साथ अंशों को परिणत किया।
- परियोजना ''उत्तराखण्ड में विभिन्न वन प्रकारों/उप–प्रकारों से सम्बद्ध तितलियां'' के अंतर्गत उत्तराखण्ड में कुमाऊं वृत्त के रामनगर (पवलगढ़), नैनीताल (महेशखान, सत्तल, किबुरी, पंगोट एवं कुंजा खड्क) तथा हल्द्वानी (नधौड़) वन प्रभागों में क्षेत्र सर्वेक्षण किए गए। 22 ट्रान्जेक्टों में 8 वन प्रकारों (3C/C2a नम शिवालिक साल वन; 5/1S2 खैर–सिस्सू वन; 9/C1b ऊपरी या हिमालय चीड़ पाइन वन; 12/C1a बन ओक वन; 12/C1b मोरू ओक वन; 12/C2a खारसु ओक वन; 12/C2c नम शीतोष्ण पर्णपाती वन; 3C/C3a पश्चिम गंगा नम मिश्रित पर्णपाती वन) में नमूने लिए गए। उत्तराखण्ड के लिए असामान्य एवं दुर्लभ प्रजातियों के 24 प्रतिदर्शों के संग्रह के साथ कुल 91 प्रजातियों के नमूने लिए गए। तितलियों की 3 प्रजातियों के लार्वा उनके लार्वल खाद्य पादपों, सिरसियम प्रजा., कैलाट्रोपिस प्रजा. तथा एक आरोही शाक से भी एकत्रित किए गए।
- क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान वन ओक वृक्षों से एकत्रित लेपीडोप्टेरा की 4 प्रजातियों नामतः *एलसिस वेरीएगाटा* (जिओमैट्रीडी), *एरटैक्सा गुटाटा, लायमैनट्रीआ मथुरा* तथा *कैल्लेट्रीआ गिरोटी* (ईरीबिडी) के 14 लार्वा पर जीवन इतिहास अध्ययनों के लिए प्रयोगशाला में प्रयोग जारी हैं। एक सिरामबिसिड तना छेदक, *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलिगिनोसस* के जीवन चक्र का अध्ययन खारसु ओक के कुन्दों पर द्वितीय व तृतीय इन्सटार लार्वा चरणों के लिए किया गया।
- परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह का डिजीटलीकरण एवं संवृद्धि, चरण– II (सूक्ष्म कीट)'' के अंतर्गत 110 प्रजातियों को स्टीरियो जूम सूक्ष्मदर्शी (दराज संख्या 2 से 34) के साथ डिजीटलीकरण किया गया। 110 प्रजातियों के छायाचित्रों को संपादित एवं भंडारित किया गया। 2282 प्रजातियों की सूचना – आंकड़ा संचय में उनका नाम, खोजकर्ता (ऑथर), अनुक्रम संख्या, छायाचित्र इत्यादि की किसी भी बेमेलपन के लिए संवीक्षा की गई।
- परियोजना ''पोपलर पर्ण निष्पत्रक, *क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* बट के विरूद्ध पोपलर कृन्तकों की प्रतिरोधकता हेतु जाँच'' के अंतर्गत 35 पोपलर कृन्तकों के

कुल टेनिन मात्रा (टी.टी.सी.) का आकलन पूर्ण हुआ तथा आंकड़े अभिलिखित किए गए।

- 10 ट्राइकोडर्मा पृथकों से जीनोमिक डी.एन.ए. को पृथक किया गया। टेफ–1–एल्फा के परिवर्धन के लिए पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (पी.सी.आर.) स्थितियों को मानकीकृत किया गया। बम्पा, गैमसाली, नीति, मेहर गाँव, रुइंग ग्राम, झेलम ग्राम तथा निकटवर्ती वन क्षेत्रों में व्याधि सर्वेक्षण किया गया। रोगसूचक वृक्षों से मृदा, छाल, सूचिका नमूने एकत्रित किए गए। अनेक मृत वृक्षों से मिसलटो का गंभीर संक्रमण महसूस किया गया। कवक का पृथकरण प्रक्रियाधीन है।
- गढ़वाल हिमालय के एल्पाइन चरागाह के 3550m msl की ऊंचाई पर केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य के गोपेश्वर वन प्रभाग के एल्पाइन चरागाह में मृदा पोषक तत्व स्थिति के लिए मृदा नमूनों के एकत्रण हेतु सर्वेक्षण किया गया। मृदा नमूनों को एकत्रित, प्रसंस्कृत तथा विश्लेषित किया गया। प्राथमिक निष्कर्षों ने प्रकट किया कि बढ़ती मृदा गहराइयों के साथ सघन घनत्व भी बढ़ता है जो कि 0.92 से 1.42 g/cm^3 तक था, जल अवधारण क्षमता 42.72 से 63.83% के स्तर तक थी जो कि मृदा गहराइयों में कमी के साथ कम होती है, मृदा गहराइयों में किसी भी प्रवृत्ति के बिना pH 5.2 से 5.5 तक था, बढ़ती मृदा गहराइयों के साथ घटते हुए, मृदा आर्गेनिक कार्बन, उपलब्ध नाइट्रोजन तथा पोटेशियम का प्रतिशत स्तर 2.14 से 4.82%, 0.0437 से 0.0591% एवं 0.0050 से 0.0156% क्रमशः तक था। मृदा गहराइयों में किसी भी प्रवृत्ति के बिना उपलब्ध फास्फोरस का स्तर 0.0014 से लेकर 0.0017% तक था।

'k"d ou vuqla/kku lLFkku] tk/kiqj

- नीम के आनुवंशिक सुधार पर कार्यक्रम के अंतर्गत नीम कोशिका परतों के स्थिर रुपांतरण के एक संकेतक रूप में स्टेबल गस एक्सप्रेशन का अवलोकन किया गया।
- *लेप्टीडीनिया रेटीकूलाटा* – एक संकटग्रस्त औषधीय पादप में पात्रे जड़न मानकीकृत किया गया।

fon'k nkSjs

vf/kdkjh dk uke	lLFkku	le;kof/k	LFkku	nkSjs dk mn~ns';
डॉ. अमित वर्मा तथा श्रीमती नमिथा एन. के.	व.अ.सं., देहरादून	20 से 24 मई 2019	फ्रांस	विश्व वानिकी कांग्रेस

ijke'khZ

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर तथा वन एवं पर्यावरण विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा प्रदत्त दस परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून वर्तमान में कार्य कर रहा है।

izn'kuh

lLFkku	ifrHkkx	le;kof/k	LFkku
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2019 प्रदर्शनी	22 मई 2019	चेन्नई

अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2019

dk;Z'kkyk@laxks"Bh@cSBd

Ø- la-	fo"k;	le;kof/k	ykHkkFkhZ
	ou vkuqoa'kdh ,oa o{k iztuu laLFkku] dks;Ecrwj		
1.	वन संवर्धन प्रणालियां – स्टॉक एकत्रण एवं भविष्य के लिए संस्तुतियां	2 मई 2019	तमिलनाडु राज्य वन विभाग एवं जम्मू कश्मीर राज्य वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा कासफोस (केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा) एवं व.आ.वृ.प्र.सं. के वैज्ञानिक
2.	अनुसंधान अध्येताओं की मासिक संगोष्ठी	13 मई 2019	व.आ.वृ.प्र.सं. के कनिष्ठ शोध अध्येता, क्षेत्र सहायक एवं वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में वन संवर्धन प्रणालियां – स्टॉक एकत्रण एवं भविष्य के लिए संस्तुतियों पर संगोष्ठी

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में अनुसंधान अध्येताओं की मासिक संगोष्ठी

	'kq"d ou vuqla/kku laLFkku] tks/kiqj		
3.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से लूनी नदी एवं चम्बल नदी (राजस्थान भाग) के जीर्णोद्धार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	27 मई 2019	93 वन अधिकारी, गैर सरकारी संगठन, वैज्ञानिक, कृषक एवं अकदमीशियन

शु.व.अ.सं., जोधपुर में वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से लूनी नदी के जीर्णोद्धार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर संवादात्मक कार्यशाला

	m".kdfVca/kh; ou vuql/kku laLFkku] tcyiqj		
4.	भारत में वन्यजीव एवं सर्प मिथक	10 मई 2019	शोधकर्ता
	o"kkZ ou vuql/kku laLFkku] tksjgkV		
5.	बाँस आधारित सामुदायिक उद्यम विकास	6 मई 2019	-
6.	बाँस रोपण स्टॉक प्रमाणीकरण एवं पौधशाला प्रत्यायन कार्यक्रम	13 मई 2019	-
7.	हर्बल बागों के लिए प्रचार योजनाएं तथा औषधीय पादपों के लिए व्यापार के माहौल का मूल्यांकन	22 मई 2019	-
	dk"B foKku ,oa izkS|ksfxdh laLFkku] cSaxyq:		
8.	यूकेलिप्टस रोपणियों की स्थिति – मिथक एवं वास्तविकताएं	28 मई 2019	राज्य वन विभाग तथा लुगदी एवं कागज उद्योग
	fgeky;u ou vuql/kku laLFkku] f'keyk		
9.	वन संवर्धन एवं वन प्रबंधन विशेषज्ञ मंच की त्रैमासिक बैठक	29 मई 2019	वैज्ञानिक एवं विषय–वस्तु विशेषज्ञ
10.	पादप जीव–विज्ञान : सिंहावलोकन एवं संभावनाएं	31 मई 2019	वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक एवं शोधार्थी

हि.व.अ.सं., शिमला में पादप जीव–विज्ञान : सिंहावलोकन एवं संभावनाएं पर मासिक अनुसंधान संगोष्ठी

	ou mRikndrk laLFkku] jkaph		
11.	खाद्य सुरक्षा के लिए कीट	24 मई 2019	अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी, अनुसंधान अध्येता एवं छात्र

	ou tSofofo/krk lalFkku] gSnjkckn		
12.	कृषकों का ग्रामीण प्रबंधन एवं महत्व	22 मई 2019	-

izf'k{k.k dk;Øe

Ø- l-	fo"k;	le;kof/k	ykHkkFkhZ
	dk"B foKku ,oa izkS|ksfxdh lalFkku] cSaxyq:		
1.	प्रौद्योगिकी प्रदर्शन	30 मई 2019	कृषक एवं वन विभाग के कार्मिक
	ou vkuqoaf'kdh ,oa o{k iztuu lalFkku] dks;EcVwj		
2.	वन आनुवंशिक संसाधनों एवं संरक्षण पर लघुकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	13–17 मई 2019	कोयम्बटूर के विभिन्न महाविद्यालयों के जैव–रसायन एवं जैव–प्रौद्योगिकी के B.Sc व M.Sc छात्र
3.	''सूक्ष्म जैविकी , भौगोलिक सूचना प्रणाली एवं सुदूर संवेदन, वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन, अनुसंधान विधियां, जैव–सांख्यिकी एवं वैज्ञानिक लेखन, पादप जैव–प्रौद्योगिकी एवं जैव–पूर्वेक्षण	13 मई–5 जून 2019	विभिन्न महाविद्यालयों से अवर स्नातक स्नातकोत्तर तथा B.Tech के जैव–प्रौद्योगिकी, जैव–रसायनविज्ञान एवं सूक्ष्म–जैविकी के छात्र

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में लघुकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

	o"kkZ ou vuqla/kku lalFkku] tksjgkV		
4.	बाँस, पौधशाला तकनीकियां, आगरकाष्ठ एवं कृमिखाद इत्यादि पर प्रशिक्षण	27 – 30 मई 2019	कासफोस (केन्द्रीय अकादमी राज्यवन सेवा), बरनीहाट, असम से वन रेंज अधिकारी प्रशिक्षण

x.;ekU; dk nkSjk

- श्री केन्नथ. आई. जस्टर, भारत में अमेरिकी राजदूत ने 01 मई 2019 को व.अ.सं.,देहरादून का दौरा किया।

egkfun'kd dk nkjk

- डॉ. सुरेश गैरोला, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने 24 मई 2019 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का दौरा किया। उन्होंने औषधीय पादपों के नाशी–कीट एवं उनका प्रबंधन पर एक पुस्तक, तमिल में व्याधि प्रबंधन का मोबाइल एप तथा रोपित वनों की उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से काष्ठ माँग को सुनिश्चित करने पर राष्ट्रीय कार्यशाला के कार्यवाही का विमोचन किया।

महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. महोदय ने व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का दौरा किया

idfr dk;Øe

- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 24 मई 2019 को विभिन्न क्षेत्रों यथा राँची, चेन्नई, लखनऊ, कोलकाता तथा गुरूग्राम के केन्द्रीय विद्यालयों से पाँच समूहों के 80 छात्रों एवं 10 शिक्षकों का दौरा करवाया गया। व.अ.सं., देहरादून के वैज्ञानिकों द्वारा छात्रों एवं शिक्षकों को संस्थान का संक्षिप्त परिचय दिया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस 2019 के आयोजन के अवसर पर, लखनऊ, पटना, चण्डीगढ़ तथा आगरा क्षेत्रों के 30 छात्रों ने 25 मई 2019 को व.अ.सं., देहरादून में प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। आयोजन की विषयवस्तु वायु प्रदूषण थी।
- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2019–20 हेतु विद्यालय के छात्रों के मध्य वनों एवं पर्यावरण पर जागरूकता प्रसार के लिए गतिविधियों का कैलेण्डर तैयार करने के लिए श्री अरूण सिंह रावत, निदेशक, व.अ.सं. की अध्यक्षता में नवोदय विद्यालयों के उप–आयुक्तों एवं सहायक–आयुक्तों के साथ 31 मई 2019 को एक बैठक आयोजित हुई।

विभिन्न क्षेत्रों से केन्द्रीय विद्यालयों के छात्र

विश्व पर्यावरण दिवस 2019 के अवसर पर विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों के छात्र

tkx:drk ,oa iin'kZu dk;Øe

- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां :– बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला, प्रबंधन, मूल्य वर्धन तथा बाँस परिरक्षण तकनीकियां, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, लाख कृषि, वानस्पतिक बाग, और्चिडेरियम, कृमि खाद इत्यादि पर 22 मई 2019 को। चरैबाहि उच्च माध्यमिक विद्यालय, चरैबाहि, जोरहाट के 20 छात्रों एवं शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा 14 मई 2019 को झारखण्ड के राष्ट्रीय कैडेट कोर के लिए पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 16वीं झारखण्ड एन.सी.सी. के 200 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया।

fofo/k

lLFkku	fo'k"k fnu@fo"k; oLrq	le;kof/k
व.अ.सं.,देहरादून; व.आ.वृ.प्र.सं.,कोयम्बटूर; उ.व.अ.सं.,जबलपुर; शु.व.अ.सं.,जोधपुर; व.व.अ.सं.,जोरहाट; हि.व.अ.सं., शिमला; व.जै.सं., हैदराबाद;	अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस – 2019	22 मई 2019
व.अ.सं., देहरादून	विश्व पर्यावरण दिवस 2019	25 मई 2019

हि.व.अ.सं., शिमला में अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस – 2019

अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस – 2019 पर व.आ.वृ.प्र.सं. ने एक पोस्टर का विमोचन किया

ekuo lalk/ku lekpkj

fu;qfDr

अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तिथि
श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., उप–महानिदेशक (शिक्षा), भा.वा.अ.शि.प.	01.5.2019

iR;kokl u

अधिकारी का नाम	प्रत्यावासन की तिथि
श्री एम.जेड. सिंगसन, उप वन संरक्षक, व.व.अ.सं.,जोरहाट	26.5.2019

inksUufr

अधिकारी का नाम	पदोन्नति की तिथि
श्री मनोरंजन दास, अवर सचिव	06.5.2019

lsokfuo`fÙk

अधिकारी का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
डॉ. के. पलानीसामी, वैज्ञानिक – 'जी', व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	31.5.2019
डॉ. ए. बालू, वैज्ञानिक – 'जी', व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	31.5.2019
श्री दीपक सिंह ठाकुर, निजी सचिव, उ.व.अ.सं., जबलपुर	31.5.2019

lj{kd
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

Lkiknd eMy
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

iR;k[;ku

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।

*****